

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शुक्रवार 16 अक्टूबर 2026 वर्ष-9,अंक-255 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com



www.facebook.com/krantisamay1



www.twitter.com/krantisamay1



मां कात्यायनी को शक्ति, पराक्रम और धर्म की रक्षा करने वाली देवी माना जाता है। पौराणिक मान्यता के अनुसार, उन्होंने महिषासुर का वध किया था। सिंह पर सवार उनकी दिव्य छवि अन्याय के विरुद्ध संघर्ष की प्रेरणा देती है। भक्त मनोकामना पूर्ति, साहस और वैवाहिक सुख के लिए इनकी पूजा करते हैं।

संक्षिप्त

समाचार

एक्टर इमरान खान को भारत छोड़ने का नोटिस

मुंबई (एजेंसी)। एक्टर इमरान खान को मुंबई पुलिस ने नोटिस जारी कर 28 अक्टूबर तक भारत छोड़ने का निर्देश दिया है। इमरान 10 अक्टूबर को मुंबई के अगस्त क्रांति मैदान में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन में शामिल हुए थे।



इसके बाद मुंबई पुलिस ने इमरान खान को हिरासत में भी लिया था। वे 22-23 जुलाई

को नीट पेपर लीक के विरोध में हुए कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन में भी शामिल हुए थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इमरान भारतीय नहीं, अमेरिकी नागरिक हैं और विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए थे। इस मामले में उनके खिलाफ इमिग्रेशन एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई की गई है।

अतीक-अशरफ जहां पैर रख दें, जमीन उनकी हो जाती थी

प्रयागराज (एजेंसी)। सीएम योगी ने गुरुवार को प्रयागराज में कहा- 2017 से पहले प्रदेश में माफिया हावी थे। उन्होंने जिस जमीन पर पैर रख दिया, वह अतीक की हो गई,



अशरफ की हो गई। अब जिस जमीन पर सरकार ने बोल दिया कि ये माफिया की नहीं है, यहां गरीबों के लिए आशियाने बनने हैं। वहां गरीबों के लिए आवास बन रहे हैं। योगी ने ये बातें

सातक मतदाता सम्मेलन में कहीं। सीएम योगी ने कसारी-मसारी क्षेत्र में माफिया अतीक अहमद और उसके गुर्गों के कब्जे से मुक्त कराई गई सरकारी जमीन पर बनने वाले प्लेटों का भूमिपूजन किया। इस दौरान मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, मंत्री नंदी भी मौजूद रहे।

अंकिता भंडारी मर्डर केस-माता-पिता का दिल्ली में धरना

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंकिता भंडारी हत्याकांड में न्याय की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे उनके माता-पिता को पुलिस ने गुरुवार सुबह इंडिया गेट से करीब 3.45 बजे हिरासत में ले लिया। करीब दो घंटे बाद उन्हें रिहा कर दिया गया।

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा और अन्य कार्यकर्ताओं को भी यहीं से हिरासत में लिया गया है। दिल्ली पुलिस ने सीआरपीएफ के साथ मिलकर यह कार्रवाई की। सभी प्रदर्शनकारियों को तिलक मार्ग पुलिस स्टेशन



में रखा गया है। अंकिता उत्तराखंड के एक होटल में रिसेप्शनिस्ट थी। साल 2022 में एक वीआईपी को विशेष सेवाएं देने से इनकार के बाद उसकी हत्या कर दी गई थी। संबंधित वीआईपी की पहचान सार्वजनिक नहीं है।

पिता बोले- दुष्कृत की नियुक्ति रद्द नहीं हुई तो फिर धरना देंगे- दिल्ली पुलिस द्वारा हिरासत में लिए जाने पर अंकिता भंडारी के पिता ने कहा, अगर मेरी बेटी को इयाफ नहीं मिला, तो पूरे देश में प्रदर्शन होंगे। हमारी सबसे पहली मांग है कि दुष्कृत गौतम की नियुक्ति रद्द की जाए। और अगर नियुक्ति रद्द नहीं की गई, तो हमें एक बार फिर पूरे देश में सड़कों पर उतरना होगा।

जिस आईडी से सिम खरीदी, वही नाम डिस्प्ले होगा; फर्जी कॉल पहचानने में मदद मिलेगी

1 नवंबर से फोन-स्क्रीन पर कॉलर का नाम दिखाना जरूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में एक नवंबर से CNAIP सिस्टम लागू होने जा रहा है। इसके तहत अनजान नंबर से कॉल आने पर भी फोन की स्क्रीन पर कॉल करने वाले का नाम और नंबर दिखाई देगा, लेकिन क्या मोबाइल का इंटरनेट बंद होने पर भी यह सिस्टम काम करेगा? क्या बिना मोबाइल डेटा के भी अनजान कॉलर का नाम स्क्रीन पर दिखेगा?

आपके फोन पर जब भी किसी का कॉल आएगा, तो स्क्रीन पर उस व्यक्ति का नंबर और नाम दोनों दिखेंगे। जिस आईडी से सिम खरीदी, वही नाम डिस्प्ले होगा। इससे फर्जी कॉल पहचानने में मदद मिलेगी।

दूरसंचार विभाग ने टेलिकॉम ऑपरेटर्स को 1 नवंबर 2026 से ये सर्विस शुरू करने का निर्देश दिया है। यूजर को इस सर्विस को अलग से एक्टिवेट करने की जरूरत नहीं होगी।



इंटरनेट पर निर्भर क्यों नहीं है CNAIP?

सीधे टेलीकॉम इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ाव-यह सुविधा सीधे आपके टेलीकॉम ऑपरेटर के इंटरनल नेटवर्क के जरिए काम करती है। जब भी आपके फोन पर किसी नंबर से कॉल आती है, तो ऑपरेटर का बैकएंड नेटवर्क बिना किसी इंटरनेट डेटा के कॉलर की पहचान कर लेता है।

सुप्रीम कोर्ट तक मार्च पर विपक्ष को नोटिस

सीजेआई बोले- हमें कोई धमका नहीं सकता

जानते हैं कोर्ट के बाहर क्या कह रहे और अंदर क्या कहते

केंद्र और चुनाव आयोग को भी नोटिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। राहुल गांधी 12 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट तक मार्च निकाला था, वह इसके बाद सुप्रीम कोर्ट के अंदर पहुंचे थे।

बाराखंबा से सुप्रीम कोर्ट तक मार्च को लेकर राहुल गांधी और कांग्रेस को नोटिस जारी किया गया है। सीजेआई सूर्यकांत ने गुरुवार को कहा कि कोई भी सुप्रीम कोर्ट को डराने या धमकाने की कोशिश नहीं कर सकता। सीजेआई ने सुप्रीम कोर्ट में एसआईआर के विरोध प्रदर्शन और मार्च से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की। राहुल गांधी और 13 अन्य की याचिका पर कोर्ट ने केंद्र और चुनाव आयोग (ईसीआई) को भी नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने संबंधित पक्षों से जवाब मांगा है। सुप्रीम कोर्ट ने राहुल का नाम लिए बिना यह भी कहा कि याचिकाकर्ताओं में से एक से उसके

आचरण के बारे में सवाल करना चाहते हैं। उन्हें सफाई देनी होगी। याचिका दायर करने से पहले इंडिया ब्लॉक ने 12 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट तक मार्च किया था।

कोर्ट ने सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखने के निर्देश दिए- वकील गौरव भाटिया ने सुप्रीम कोर्ट से उन सीसीटीवी फुटेज को सुरक्षित करवाने के लिए अंतरिम आदेश देने की मांग की, जो राहुल के सुप्रीम कोर्ट पहुंचने के हैं।

आरोप है कि तब उन्होंने गर्भवती महिला पत्रकार को धक्का दिया था। इस पर जस्टिस बागची ने सभी कानूनी एजेंसियों को सीसीटीवी और अन्य डिजिटल फुटेज सुरक्षित रखने का निर्देश दिया। यह भी कहा है कि इन्हें कोई भी आकर जमा करा सकता है।

पत्रकारों के फोन जब्त करने पर सुप्रीम कोर्ट का केंद्र को नोटिस- सीनियर एडवोकेट सीयू सिंह ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि पत्रकारों के उपकरण (फोन/केमरा आदि) जब्त कर लिए गए हैं।



कॉकरोच पार्टी की प्रेस कॉन्फ्रेंस में हंगामा, नारेबाजी की

- दीपक बोले- ज्ञानेश कुमार को बचाने के लिए तिरंगा फहराना भी अपराध बनाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी और छात्र संगठन एआईएसए की दिल्ली में जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान हंगामा हुआ। नेहा बोरा के बोलना शुरू करते ही वहां मौजूद कुछ लोग 'बंद करो' के नारे लगाते लगे। प्रेस कॉन्फ्रेंस में एडवोकेट कपिल सिब्बल, प्रशांत भूषण और एक्टर प्रकाश राज भी शामिल हुए। दीपक ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा- सरकार ने ज्ञानेश कुमार को बचाने के



लिए तिरंगा फहराने को भी अपराध बना दिया है। आशुतोष रांका और सौरव दास जंतर-मंतर पर तिरंगा फहराने गए थे, लेकिन उन्हें भी जेल भेज दिया गया। आखिर सरकार ज्ञानेश कुमार को क्यों बचा रही है। वहीं नेहा बोरा ने कहा- लोगों को हिरासत में लेने से, मारपीट करने से आंदोलन नहीं रुकेगा। सीजेपी और अन्य संगठनों ने 16 अक्टूबर को दिल्ली के कर्नाट प्लेस स्थित सेंट्रल पार्क में तिरंगा लहराकर प्रदर्शन करने का ऐलान किया है। वे एसआईआर रोकने और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं।

प्रकाश राज बोले- हर जिले-गांव को जंतर-मंतर बनाएं

प्रकाश राज ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा- आपने बहुत कहानियां सुनी होंगी। इन कहानियों का मोरल ऑफ द स्टोरी है कि जो बचपन में क्रोकोडाइल से नहीं डरा, वह आज कॉकरोच से डर गया। कल देश के 200 संगठन एकजुट हो रहे हैं।

नक्सलवाद खत्म करना ही काफी नहीं, पीड़ितों के जख्म भरना भी जरूरी : शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को कहा कि छत्तीसगढ़ में बुनियादी ढांचे और सुविधाओं को बेहतर बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार द्वारा बस्तर के पुनर्निर्माण और वामपंथी उग्रवाद के पीड़ितों के पुनर्वास के लिए किए जा रहे प्रयासों का उल्लेख करते हुए शाह ने कहा कि नक्सलवाद को खत्म करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि पांच दशकों में इसके कारण लोगों को जो पीड़ा झेलनी पड़ी है, उसे दूर करना भी सरकार की जिम्मेदारी है।

इसका सबसे अधिक असर क्षेत्र के गरीब आदिवासी समुदायों पर पड़ा है। शाह ने छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद से प्रभावित लोगों को सहायता प्रदान करने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम को डिजिटल माध्यम से संबोधित करते हुए कहा कि

पांच से सात अक्टूबर तक जगदलपुर में आयोजित दिव्यंग सहायता कार्यक्रम से 3,600 से अधिक लोग लाभान्वित हुए, जिनमें अकेले बस्तर के करीब

1,570 लोग शामिल हैं। इस पहले के तहत नक्सलवाद से प्रभावित लोगों को कृत्रिम अंग, व्हीलचेयर, तिपहिया साईकिल, सुनने में मदद करने वाले उपकरण और छड़ियों सहित अन्य सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

शाह ने कहा, नक्सलवाद का अंत होने का मतलब यह नहीं है कि हम इन पांच दशकों की पीड़ा को मिटा सकते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को पीड़ितों की जिंदगी और सम्मान

दोबारा बहाल करने में मदद करनी चाहिए। उन्होंने इन प्रयासों में केंद्र सरकार की ओर से राज्य सरकार को पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया।



‘राहुल गांधी अराजकता के प्रतीक’

गौरव भाटिया बोले- संविधान को तार-तार कर रही कांग्रेस, क्यों भड़की भाजपा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। एसआईआर के तहत मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों को लेकर विपक्ष चुनाव आयोग पर सवाल उठा रहा है। राहुल गांधी समेत इंडिया गठबंधन के 13 नेताओं ने स्वतंत्र जांच की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। अदालत ने चुनाव आयोग और लोगों चुनाव आयुक्तों से जवाब मांगा है। इस बीच भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने राहुल गांधी को 'अराजकता का प्रतीक' बताते हुए कांग्रेस पर संविधान को तार-तार करने का आरोप लगाया है।

भारतीय जनता पार्टी ने गुरुवार को कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर हमला बोला। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने राहुल गांधी को 'अराजकता का



प्रतीक' बताया। उन्होंने उन्हें गैर-जिम्मेदार नेता प्रतिपक्ष करार देते हुए आरोप लगाया कि राहुल गांधी बिना तथ्यों के बोलते हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान गौरव भाटिया ने राहुल गांधी और कांग्रेस पर संविधान का अपमान करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी संविधान को तार-तार कर रहे हैं। इतना ही नहीं, भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए प्रदर्शन के नाम पर नारेबाजी और हुड़दंग करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि संविधान हर नागरिक को प्रदर्शन करने का अधिकार देता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि कोई भी व्यक्ति इस अधिकार की आड़ में नियमों का उल्लंघन करे। प्रदर्शन के लिए तय जगह होनी चाहिए और इसके लिए पहले अनुमति लेनी जरूरी है।

हमारा ध्यान लद्दाख की नई पीढ़ी पर, केंद्र के लिए यहां का विकास प्राथमिकता : पीएम मोदी

- 3350 करोड़ के प्रोजेक्ट शुरू किए



नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि सरकार का ध्यान लद्दाख की नई पीढ़ी पर है, ताकि युवाओं को अच्छी शिक्षा मिले और उन्हें दूसरे शहरों पर निर्भर न रहना पड़े।

विदेशी मेहमानों को लद्दाख की बनी चीजें देता हूं

पीएम मोदी ने कहा- लद्दाख में खेलों की भी बहुत संभावनाएं हैं। यहां के युवाओं ने आइस हॉकी, पर्वतारोहण में नई पहचान बनाई है। यहां की खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं, ताकि युवा राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धियां हासिल करें।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के लिए लद्दाख का विकास प्राथमिकता है।

पीएम मोदी ने लद्दाख में करीब 3,350 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का वर्चुअली उद्घाटन और लोकार्पण किया। इनमें लेह एयरपोर्ट का नया पैसेंजर टर्मिनल, 298 किलोमीटर लंबी निम्न-पटुम-दरचा सड़क, 9 मेगावाट का हनु ह्यड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट, बिजली ट्रांसमिशन लाइन, देश का पहला पेट्रोलिफ संरक्षण पार्क और 40 गांवों में बनाए गए जलाशय शामिल हैं।

- जवाब से संतुष्ट नहीं हुए तो कानून अपना काम करेगा, जंतर-मंतर को विरोध प्रदर्शन स्थल से हटाने पर एससी की दो टूक- राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में विरोध- प्रदर्शनों के प्रमुख केंद्र रहे जंतर-मंतर को तय प्रदर्शन स्थल की सूची से हटाए जाने के केंद्र सरकार के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है। इस याचिका पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को केंद्र सरकार और दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी कर उनका रुख स्पष्ट करने को कहा है। दरअसल, हाल ही में दिल्ली पुलिस ने आदेश जारी करते हुए कहा कि जंतर-मंतर की जगह अब विरोध-प्रदर्शनों के लिए रामलीला मैदान, बुराड़ी मैदान और सीबीडी ग्राउंड (शाहदरा) को चिन्हित किया गया है। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई है, जिसमें केंद्र सरकार के जंतर-मंतर को विरोध-प्रदर्शन की तय जगह की सूची से हटाने के फैसले को चुनौती दी गई है।

एंट्री-ड्रा एक्टिविस्ट हत्याकांड

पंजाब बंद, स्कूल-बाजार नहीं खुले

लुधियाना, बटिंडा और मोहाली में हाईवे जाम, परिवार का शव लेने से इनकार; एसएचओ सस्पेंड

लुधियाना (एजेंसी)। एंट्री ड्रा एक्टिविस्ट परविंद झोटा की हत्या के विरोध में आज 15 अक्टूबर को पंजाब बंद बुलाया गया है। लुधियाना, पठानकोट, गुरदासपुर, बटिंडा, मानसा और जालंधर में प्राइवेट स्कूल-कॉलेज बंद हैं। सरकारी स्कूलों में छुट्टी नहीं है, लेकिन छात्र नहीं आए हैं।

सभी जिलों में बाजार बंद थे। किसान संगठनों ने लुधियाना, बटिंडा और मोहाली से चंडीगढ़ जाने वाले नेशनल हाईवे जाम कर दिया था। जालंधर, बटिंडा और फरीदकोट में किसान नेताओं को पुलिस ने हिरासत में लिया था। इसी बीच मानसा के एसएसपी वैभव चौधरी ने मानसा सिटी थाना-2 की एसएचओ बेअंत कौर को सस्पेंड कर दिया है। वहीं डीएसपी हरजिंदर सिंह गिल के खिलाफ जांच के लिए डीजीपी ऑफिस को सिफारिश की गई है।



कोई जिम्मेदार व्यक्ति ऐसा नहीं कर सकता

भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी ने कहा था कि वे विरोध प्रदर्शन करेंगे और सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे। अब सवाल यह उठता है कि यह किस तरह का बर्ताव था? क्या 'भीड़तंत्र' को चलने दिया जा सकता है? क्या न्यायपालिका पर दबाव डालने के लिए भीड़ जुटाई जा सकती है, एक ऐसी संस्था जो मजबूत और निष्पक्ष है, और जिस पर भारत के लोगों को भरोसा है?

विश्व खाद्य दिवस- चुनौतियाँ, समाधान और भविष्य की राह

(लेखक–सुनील कुमार महला)

(16 अक्टूबर विश्व खाद्य दिवस पर विशेष आलेख)

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

(लेखक–सुनील कुमार महला)

(16 अक्टूबर विश्व खाद्य दिवस पर विशेष आलेख)

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस 2026 का थीम: 'सुनिश्चित भोजन, सुरक्षित भविष्य'

विश्व खाद्य दिवस मनाने के पीछे कई प्रमुख उद्देश्य हैं। इनमें ऋमशः संपूर्ण विश्व से भूख और कुपोषण का उन्मूलन करना (जिसमें बच्चों, गर्भवती महिलाओं और कमजोर वर्गों के पोषण पर विशेष ध्यान देना शामिल है), किसानों की आय बढ़ाना, सिंचाई और आधुनिक कृषि तकनीक को बढ़ावा देना, तथा छोटे किसानों को संसाधन उपलब्ध कराना शामिल है। इसके साथ ही पौष्टिक और संतुलित आहार की उपलब्धता सुनिश्चित करना, खाद्य पदार्थों की बर्बादी (होटलों, रेस्तरांटों, ढाबों, तथा घरों में) रोकना, मिट्टी, जल और जैव विविधता को बचाना तथा विश्व में ऐसी कृषि पद्धतियाँ अपनाने पर बल देना प्रमुख उद्देश्य हैं, जो कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी खाद्य उत्पादन सुनिश्चित कर सकें। हमें यह याद रखना चाहिए कि भोजन केवल और केवल हमारे जीवन की ही आवश्यकता नहीं है, अपितु यह प्रत्येक व्यक्ति के सम्मानपूर्ण जीवन का भी आधार है। आज दुनिया में पर्याप्त खाद्यान्न उत्पादन होता है, लेकिन बहुत ही दुखद है कि इसके बावजूद भी दुनिया में बहुत से लोगों को दो जून की रोटी तक नसीब नहीं हो पाती है और आज भी दुनिया में लाखों नहीं करोड़ों लोग भूख, कुपोषण और पौष्टिक भोजन की कमी से लगातार जूझ रहे हैं। दूसरी ओर, खाद्य पदार्थों की बर्बादी, जलवायु परिवर्तन, गरीबी और संसाधनों का असमान वितरण इस समस्या के और गंभीर तथा संवेदनशील बनाते हैं। इस वर्ष विश्व खाद्य दिवस 2026 की थीम–आज नवाचार करें, कल का पोषण सुनिश्चित करें। रखी गई है। वास्तव में इसका साफ संदेश यह है कि आधुनिक विज्ञान, नई तकनीक और पारंपरिक ज्ञान के समन्वय से सभी के लिए पर्याप्त, सुरक्षित और पौष्टिक भोजन सुनिश्चित किया जाए तथा भविष्य के लिए प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा

की जाए।

भोजन को सुलभ, किफायती और पौष्टिक बनाना भी आवश्यक–

हाल फिलहाल विश्व खाद्य दिवस के संदर्भ में यदि हम ऑकड़ों की बात करें तो संयुक्त राष्ट्र की पाँच एजेंसियों द्वारा जुलाई 2026 में जारी विश्व में खाद्य सुरक्षा एवं पोषण की स्थिति रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2025 में दुनिया भर में लगभग 64.5 करोड़ लोग भूख से प्रभावित थे, जो वैश्विक आबादी का लगभग 7.8 प्रतिशत है। इसी अवधि में लगभग 210 करोड़ लोग मध्यम या गंभीर खाद्य असुरक्षा का सामना कर रहे थे। रिपोर्ट के अनुसार, करीब 270 करोड़ लोग स्वस्थ आहार का खर्च उठाने में असमर्थ थे। हालाँकि, वैश्विक स्तर पर भूख से प्रभावित लोगों की संख्या में लगातार तीसरे वर्ष कमी दर्ज की गई, लेकिन यह सुधार सभी क्षेत्रों में समान नहीं रहा। ये ऑकड़े स्पष्ट करते हैं कि दुनिया में खाद्य उत्पादन बढ़ाने के साथ–साथ भोजन को सुलभ, किफायती और पौष्टिक बनाना भी आवश्यक है। हमारे देश भारत में भुखमरी और कुपोषण आज भी बड़ी चुनौती हैं। वर्ष 2023 में देश में लगभग 17.21 करोड़ लोग अल्पपोषण से प्रभावित थे। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण–5 (2019–21) के अनुसार, पाँच वर्ष से कम उम्र के 35.5 प्रतिशत बच्चे टिगनेपन, 32.1 प्रतिशत कम वजन और 19.3 प्रतिशत दुबलेपन से प्रभावित थे। यहाँ पाठकों को बताता चलूँ कि भारत सरकार राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत देश की लगभग 80.67 करोड़ आबादी को रियायती खाद्यान्न उपलब्ध कराने की व्यवस्था कर रही है। इस योजना के अंतर्गत पात्र प्राथमिकता वाले परिवारों को प्रति व्यक्ति प्रतिमाह 5 किलोग्राम तथा अत्योदय अन्न योजना के परिवारों को प्रति परिवार प्रतिमाह 35

किलोग्राम खाद्यान्न नि:शुल्क दिया जाता है। यह व्यवस्था देश की लगभग दो–तिहाई आबादी को खाद्य सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से बनाई गई है। इतना ही नहीं, सरकार विद्यालयों में पीएम पोषण योजना और ऑँगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से बच्चों तथा महिलाओं के पोषण के लिए भी सहायता उपलब्ध कराती है।

प्रमुख विद्यमान चुनौतियाँ–

आज विश्व खाद्य दिवस पर संपूर्ण विश्व के समक्ष अनेक प्रकार की चुनौतियाँ विद्यमान हैं। इनमें ऋमशः पूरी दुनिया से भुखमरी और कुपोषण को समाप्त करना, हर व्यक्ति को पर्याप्त और पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराना, गरीबी के कारण भोजन की कमी और स्वस्थ आहार की बढ़ती लागत को कम करना, खाद्य पदार्थों की बर्बादी रोकना और जरूरतमंदों तक भोजन पहुँचाना शामिल है। इसके अलावा जलवायु परिवर्तन, सूखा और बाढ़ से कृषि उत्पादन की रक्षा करना, किसानों की आय बढ़ाना और टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देना तथा खाद्यान्न का समान वितरण सुनिश्चित कर वर्ष 2030 तक शुन्य भुखमरी के लक्ष्य को प्राप्त करना आदि को भी इसमें शामिल किया जा सकता है।

सार्वजनिक वितरण प्रणाली और खाद्य सुरक्षा–

सार्वजनिक वितरण प्रणाली देश में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने और गरीब परिवारों को भुखमरी से बचाने का एक महत्वपूर्ण आधार है। इसके माध्यम से पात्र परिवारों को उचित मूल्य की दुकानों से नि:शुल्क खाद्यान्न उपलब्ध कराया जाता है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत लगभग 80 करोड़ लोगों को खाद्यान्न उपलब्ध कराने की व्यवस्था है, जो यह सुनिश्चित करती है कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को भोजन के लिए संघर्ष न करना पड़े। विश्व खाद्य दिवस हमें याद दिलाता है कि भोजन

केवल जीवन की आवश्यकता नहीं, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति का सम्मानपूर्ण जीवन जीने का आधार है। हालाँकि, खाद्य सुरक्षा का उद्देश्य केवल पेट भरना नहीं, बल्कि हर व्यक्ति तक पौष्टिक और संतुलित आहार पहुँचाना भी है। इसके लिए खाद्यान्न का पारदर्शी वितरण, बर्बादी पर रोक, किसानों को प्रोत्साहन और कुपोषण का उन्मूलन आवश्यक है। वास्तविक खाद्य सुरक्षा तभी सार्थक होगी, जब देश का कोई भी व्यक्ति भूखा न सोए और प्रत्येक नागरिक को पर्याप्त, सुरक्षित एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध हो। अंत में यही कहूँगा कि विश्व खाद्य दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन मात्र ही नहीं है, बल्कि यह वैश्विक स्तर पर खाद्य सुरक्षा और भुखमरी के प्रति जागरूक होने का एक सशक्त संदेश है। इस आलेख में ऊपर चर्चा कर चुका हूँ कि भोजन हर मनुष्य का मौलिक अधिकार है, फिर भी दुनिया भर में लाखों लोग कुपोषण और भुखमरी से जूझ रहे हैं। इस समस्या के समाधान के लिए एक और जहाँ टिकाऊ कृषि, जल–संसाधनों के संरक्षण और हमारे अन्नदाताओं (कि सानों) के कल्याण को प्राथमिकता देना आवश्यक है, वहीं दूसरी ओर व्यक्तिगत स्तर पर भोजन की बर्बादी रोकना सबसे महत्वपूर्ण कदम है। जीरो हंगर यानी कि शुन्य भुखमरी के लक्ष्य को प्राप्त करना केवल सरकार या अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसके लिए पूरे समाज और हर नागरिक के सामूहिक प्रयास की आवश्यकता है। जब हम भोजन का सम्मान करेंगे और पर्यावरण के अनुकूल कृषि पद्धतियों को अपनाएंगे, तभी एक स्वस्थ, सुरक्षित और समृद्ध भविष्य का निर्माण संभव हो सकेगा।

(सुनील कुमार महला, फीलांस राइटर, कॉलमिस्ट व युवा साहित्यकार)

जब प्यासे हों खेत और खाली हों थालियां तो कैसे संवरेगा भविष्य?

(लेखक– योगेश कुमार गोयल / ईएमएस)

आज का नवाचार, कल की हर थाली में पोषण

(विश्व खाद्य दिवस (16 अक्तूबर) पर विशेष)

दुनिया की आबादी तीव्र गति से बढ़ने के साथ–साथ विश्व में भूख की समस्या भी बढ़ती जा रही है। कई ऐसे राष्ट्र हैं, जो इस समस्या से बुरी तरह जूझ रहे हैं। विश्वभर में बड़ी संख्या में ऐसे लोग हैं, जिन्हें पेट भरने को दो समय का भोजन तक नसीब नहीं होता। बहुत सारे लोग तो ऐसे भी हैं, जिन्हें जिंदा रहने के लिए भी पर्याप्त भोजन नहीं मिल पा रहा। पोषित और पर्याप्त भोजन नहीं मिल पाने के कारण दुनिया की बड़ी आबादी कुपोषण की शिकार हो रही है। भोजन को एक बुनियादी और मौलिक मानवाधिकार माना गया है लेकिन पूरी दुनिया के लिए एक बड़ी विडम्वना है कि खाने की कमी और कुपोषण के ही कारण प्रतिवर्ष लाखों लोग जान गंवा देते हैं। भोजन, हवा और पानी के बाद तीसरी सबसे बुनियादी मानवीय जरूरत हर किसी को पर्याप्त भोजन का अधिकार ही है। चिंताजनक स्थिति है कि दुनियाभर के किसान वैश्विक आबादी से ज्यादा लोगों को खिलाने के लिए पर्याप्त भोजन पैदा करते हैं किन्तु फिर भी भूख बनी रहती है।

वैश्विक भुखमरी को खत्म करने और सभी लोगों को पोषणयुक्त आहार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ही प्रतिवर्ष 16 अक्तूबर को ‘विश्व खाद्य दिवस’ मनाया जाता है। दुनिया के करीब 150 सदस्य देश मिलकर यह दिवस मनाते हैं और संयुक्त राष्ट्र के कैलेंडर में सबसे ज्यादा मनाया जाने वाला दिवस भी यही है। यह दिवस मनाने का प्रमुख उद्देश्य वैश्विक भुखमरी से निपटना और पूरी दुनिया से उसे जड़ से खत्म करना है ताकि दुनिया का कोई भी इंसान भूखा और कुपोषित न रहे। कृषि खाद्य प्रणाली परिवर्तन के लिए वैश्विक कार्रवाई को संगठित करते ‘विश्व खाद्य दिवस’ के लिए हर साल एक खास विषय निर्धारित किया जाता है। विश्व खाद्य दिवस 2026 का विषय है ‘आज नवाचार करें। कल का पोषण करें।’

एफएओ के अनुसार तीव्र जनसंख्या वृद्धि, शहरीकरण, आर्थिक विकास और जलवायु परिवर्तन पृथ्वी के जल संसाधनों पर दबाव बढ़ा रहे हैं। इसके अलावा पिछले दशकों में मीठे पानी के संसाधनों में भी प्रति व्यक्ति 20

प्रतिशत की गिरावट आई है और दशकों के खराब उपयोग व प्रबंधन, भूजल के अत्यधिक दोहन, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन के कारण पानी की उपलब्धता तथा गुणवत्ता तेजी से बिगड़ रही है। एफएओ का कहना है कि मौजूदा समय में करीब 2.4 अरब लोग जल संकट वाले देशों में रहते हैं और इस अमूल्य संसाधन के लिए प्रतिस्पर्धा बढ़ती जा रही है क्योंकि पानी की कमी संघर्ष का निरंतर बढ़ता कारण बनती जा रही है। पृथ्वी पर जल एक सीमित और असौम्य मूल्यवान ऐसा प्राकृतिक संसाधन है, जिसके बिना धरती पर भोजन और जीवन असंभव है। यही नहीं, विश्वभर में 60 करोड़ से भी ज्यादा लोग अपनी आजीविका के लिए जलीय खाद्य प्रणालियों पर ही निर्भर हैं, जिनमें छोटे पैमाने के मछुआरे, मछली किसान, मछली प्रोसेसर और उनके आश्रित शामिल हैं, जो टटीय और अंतर्देशीय समुदायों की रीढ़ माने जाते हैं, स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं का समर्थन करते हैं और विश्वभर में संस्कृतियों को प्रभावित करते हैं।

दुनिया से भुखमरी को मिटाने के प्रयासों में जलवायु परिवर्तन, अंतर्राष्ट्रीय तनाव, आर्थिक समस्याएं इत्यादि सबसे बड़ी बाधा बन रही हैं। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, बार–बार होने वाले मौसम के झटकों, संघर्षों, आर्थिक मंदी, असमानता और महामारी के कारण विश्व में करीब 733 मिलियन लोग भूख का सामना कर रहे हैं, जिसका सर्वाधिक असर गरीब और कमजोर तबके पर पड़ता है, जिनमें से कई कृषि परिवार हैं। इसीलिए इस समस्या को कम करने के लिए दुनियाभर में तेज गति से गंभीर प्रयास किए जाने की जरूरत है। संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि भूख और कुपोषण लंबे समय तक चलने वाले संकटों से और बढ़ जाते हैं, जो संघर्ष, वरम मौसम की घटनाओं और आर्थिक झटकों के संयोजन से प्रेरित होते हैं।

आज दुनिया में करोड़ों लोग भूख से पीड़ित हैं और स्वस्थ आहार का खर्च उठाने में असमर्थ हैं। एफएओ के मुताबिक विश्व में 2.8 बिलियन से भी ज्यादा लोग स्वस्थ आहार का खर्च उठाने में असमर्थ हैं और अस्वास्थ्यकर आहार ही सभी प्रकार के कुपोषण का प्रमुख कारण है। कमजोर लोगों को प्रायः मुख्य खाद्य पदार्थों या कम महंगे खाद्य पदार्थों पर निर्भर रहने के लिए विवश होना पड़ता है, जो अस्वास्थ्यकर हो सकते हैं जबकि अन्य लोग ताजे

अपूर्णता से पूर्णता की ओर

मनुष्य का बाह्य जीवन वस्तुतः उसके आंतरिक स्वरूप का प्रतिबिम्ब मात्र होता है। जैसे ड्राइवर मोटर की दिशा में मनचाहा बदलाव कर सकता है। उसी प्रकार, जीवन के बाहरी ढर्रे में भारी और आश्चर्यकारी परिवर्तन हो सकता है। वाल्मीकि और अंगुलिमान्त जैसे भयंकर डाकू क्षण भर में परिवर्तित होकर इतिहास प्रसिद्ध संत बन गए। गणिका और आम्रपाली जैसी वीरांगनाओं को सती–साध्वी का प्रातः स्मरणीय स्वरूप ग्रहण करते देर न लगी। वामित्र और भतृहरि जैसे विलासी राजा उच्च कोटि के योगी बन गये। नृपंश अशोक बौद्ध धर्म का महान प्रचारक बना। तुलसीदास की कामुकता का भक्ति भावना में परिणत हो जाना प्रसिद्ध है। ऐसे असंख्य चरित्र इतिहास में पड़ जा सकते हैं। छोटी श्रेणी में छोटे–मोटे आश्चर्यजनक परिवर्तन नित्य ही देखने को मिल सकते हैं। इससे स्पष्ट है कि जीवन का बाहरी ढर्रा जो चिर प्रयत्न से बना हुआ होता है, विचारों में भावनाओं में परिवर्तन आते ही बदल जाता है। मित्र को शत्रु बनते, शत्रु को मित्र रूप में परिणत होते, दुष्ट को संत बनते, संत को दुष्टा पर उन्नते, कर्जु को उदार, उदार को कर्जुस, विषयी को तपस्वी, तपस्वी को विषयी बनते देर नहीं लगती। आलसी उद्योगी बनते हैं और उद्योगी आलस्यग्रस्त होकर दिन

नई समस्या देखने को मिल रही है। महंगाई बढ़ने से खर्च करने के लिए पैसे कैसे कम पड़ रहे हैं। यही बच्चों की फीस और दवाइयों का खर्च लोगों को परेशान कर रहा है। मध्यवर्ग और निम्न वर्ग ने मासिक किरातों पर कर्ज ले रखा है। उसकी ईएमआई चुका पाना उनके लिए संभव नहीं हो पा रहा है। हर जगह अफरा–तफरी की स्थिति बनी हुई



रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है सूर्य नमस्कार

दिन की अच्छी शुरुआत करने के लिए सूर्य नमस्कार सबसे अच्छा व्यायाम है। जिस प्रकार 12 राशियां, 12 महीने होते हैं, उसी प्रकार सूर्य नमस्कार भी 12 स्थितियों से मिलकर बना है। कोविड महामारी के समय में आप सूर्य नमस्कार को अपना कर अपनी प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ा सकते हैं-

- सूर्य नमस्कार का अभ्यास इन 12 स्थितियों में किया जाता है, आइए जानें-
- दोनों हाथों को जोड़कर सीधे खड़े हों। नेत्र बंद करें। ध्यान 'आज्ञा चक्र' पर केंद्रित करके 'सूर्य भगवान' का आह्वान 'ॐ मित्राय नमः' मंत्र के द्वारा करें।
- श्वास भरते हुए दोनों हाथों को कानों से सटाते हुए ऊपर की ओर तानें तथा भुजाओं और गर्दन को पीछे की ओर झुकाएं। ध्यान को गर्दन के पीछे 'विशुद्धि चक्र' पर केंद्रित करें।
- तीसरी स्थिति में श्वास को धीरे-धीरे बाहर निकालते हुए आगे की ओर झुकाएं। हाथ गर्दन के साथ, कानों से सटे हुए नीचे जाकर पैरों के दाएं-बाएं पृथ्वी का स्पर्श करें। घुटने सीधे रहें। माथा घुटनों का स्पर्श करता हुआ ध्यान नाभि के पीछे 'मणिपूरक चक्र' पर केंद्रित करते हुए कुछ क्षण इसी स्थिति में रुकें। कमर एवं रीढ़ के दोष वाले साधक न करें।
- इसी स्थिति में श्वास को भरते हुए बाएं पैर को पीछे की ओर ले जाएं। छाती को खींचकर आगे की ओर तानें। गर्दन को अधिक पीछे की ओर झुकाएं। टांग तनी हुई सीधी पीछे की ओर खिंचाव और पैर का पंजा खड़ा हुआ। इस स्थिति में कुछ समय रुकें। ध्यान को 'स्वाधिष्ठान' अथवा 'विशुद्धि चक्र' पर ले जाएं। मुखाकृति सामान्य रखें।

- श्वास को धीरे-धीरे बाहर निष्कासित करते हुए दाएं पैर को भी पीछे ले जाएं। दोनों पैरों की एड़ियां परस्पर मिली हुई हों। पीछे की ओर शरीर को खिंचाव दें और एड़ियों को पृथ्वी पर मिलाने का प्रयास करें। नितम्बों को अधिक से अधिक ऊपर उठाएं। गर्दन को नीचे झुकाकर ठोड़ी को कण्ठकूप में लगाएं। ध्यान 'सहसार चक्र' पर केंद्रित करने का अभ्यास करें।
- श्वास भरते हुए शरीर को पृथ्वी के समानांतर, सीधा साष्टांग दण्डवत करें और पहले घुटने, छाती और माथा पृथ्वी पर लगा दें। नितम्बों को थोड़ा ऊपर उठा दें। श्वास छोड़ दें। ध्यान को 'अनाहत चक्र' पर टिका दें। श्वास की गति सामान्य करें।
- इस स्थिति में धीरे-धीरे श्वास को भरते हुए छाती को आगे की ओर खींचते हुए हाथों को सीधे कर दें। गर्दन को पीछे की ओर ले जाएं। घुटने पृथ्वी का स्पर्श करते हुए तथा पैरों के पंजे खड़े रहें। मूलाधार को खींचकर वहीं ध्यान को टिका दें।
- यह स्थिति - पांचवीं स्थिति के समान
- यह स्थिति - चौथी स्थिति के समान
- यह स्थिति - तीसरी स्थिति के समान
- यह स्थिति - दूसरी स्थिति के समान
- यह स्थिति - पहली स्थिति की भांति रहेगी।

सूर्य नमस्कार की उपरोक्त बारह स्थितियां हमारे शरीर को संपूर्ण अंगों की विकृतियों को दूर करके निरोग बना देती हैं। यह पूरी प्रक्रिया अत्यधिक लाभकारी है। इसके अभ्यासी के हाथों-पैरों के दर्द दूर होकर उनमें सबलता आ जाती है। गर्दन, फेफड़े तथा पसलियों की मांसपेशियां सशक्त हो जाती हैं, शरीर की फालतू चर्बी कम होकर शरीर हल्का-फुल्का हो जाता है। सूर्य नमस्कार के द्वारा त्वचा रोग समाप्त हो जाते हैं अथवा इनके होने की संभावना समाप्त हो जाती है। इस अभ्यास से कब्ज आदि उदर रोग समाप्त हो जाते हैं और पाचनतंत्र की क्रियाशीलता में वृद्धि हो जाती है। इस अभ्यास के द्वारा हमारे शरीर की छोटी-बड़ी सभी नस-नाड़ियां क्रियाशील हो जाती हैं, इसलिए आलस्य, अतिनिद्रा आदि विकार दूर हो जाते हैं।

लाइफस्टाइल बदल डाली तो ऐसे बड़ेगी इम्युनिटी



इम्युनिटी कमजोर होने में खराब जीवनशैली का बड़ा हाथ है। यह एक सर्वमान्य सत्य है कि शरीर पर बाहरी माइक्रोऑर्गेनिज्म के होने वाले हमलों के खिलाफ इम्यून सिस्टम पहली डिफेंस लाइन मानी जाती है। जितनी तगड़ी इम्युनिटी होगी उतने ही बीमारी पकड़ने के अवसर क्षीण होते जाएंगे। खराब जीवनशैली से इम्यून सिस्टम की डिफेंस में छेद होने लगता है।

खराब जीवनशैली

यदि आपको पास टीक से खाना खाने और भरपूर नींद लेने का वक्त नहीं हो तो समझ लें कि आपकी जीवनशैली खराब है जो आपके इम्यून सिस्टम को तेजी से कमजोर कर रही है। यह ठीक है कि आधुनिक जीवनशैली में वर्क प्रेशर इतना अधिक है कि उसका शरीर पर खराब असर पड़ रहा है लेकिन प्रेशर रहने के बावजूद भी स्वस्थ रहने के लिए प्रयत्न किया जा सकता है।

कब हुई थीं सालाना जांचे?

30 साल की उम्र हो जाने के बाद शरीर की नियमित जांचें कराना बेहद जरूरी है। इन दिनों अत्यधिक तनाव झेलने के कारण कम उम्र में ही हाई ब्लड प्रेशर अथवा शुगर की बीमारियां जड़ पकड़ लेती हैं। यह देखा गया है कि शुरुआती जांचों में ही कई बार लंबी बीमारियों की जड़ पकड़ में आ जाती है।

टाइम निकालें

खुद के लिए समय निकालें। यदि काम के घंटे फिक्स नहीं हैं तो वर्क स्टेशन को ही वर्कआउट के लिए सेट कर लें। काम के दौरान थोड़ी-थोड़ी देर में ब्रेक लेते रहें और शारीरिक गतिविधियां बढ़ा दें। मसलन आप स्पोर्ट्स रिंग कर सकते हैं, स्ट्रेचिंग कर सकते हैं, वाशरूम तक तेज गति से जाकर वापस आ सकते हैं। वर्क स्टेशन एक्सरसाइज के बारे में जानने के लिए कई वेबसाइट्स हैं जो कई तरह के सॉल्यूशन्स उपलब्ध कराती हैं।

पानी कब पिया था?

क्या आपको याद कि अंतिम बार आपने पानी कब पिया था? पानी न सिर्फ हाइड्रेट रखता है बल्कि हाजमा और किडनी दोनों को तंदुरुस्त रखता है। इम्यून सिस्टम ठीक से काम करता रहे इसके लिए जरूरी है कि हाजमा ठीक रहे। मेटाबॉलिक सिस्टम के बिगड़ते ही शरीर का हर अवयव और उसकी कार्यणाली प्रभावित होती है।

ये बदलाव लाएं जीवनशैली में

लाइफस्टाइल को दुरुस्त कर लेना आपके लिए बिल्कुल आसान है लेकिन इसके लिए दृढ़ इच्छाशक्ति की जरूरत है। आपको केवल टान लेना है बाकि सभी चीजें अपने आप ठीक होने लगती हैं। आप इतना तो कर ही सकते हैं कि सुबह जब भी आप उठते हैं, एक गिलास कुनकुना नींबू पानी पीकर दिन की शुरुआत कर सकते हैं। यदि आप रोज दर से उठ रहे हैं तो काम के घंटों के साथ एडजेस्ट कर सकते हैं। नींबू पानी के साथ ताजे आंवले का रस मिल सके तो पी लें नहीं तो बाजार से आंवले के रस का पैक भी खरीद कर रख सकते हैं। सतरे का रस अथवा आंवले के रस से विटामिन सी का तगड़ा डोज सुबह उठते ही मिल जाए तो दिन की अच्छी शुरुआत मानी जा सकती है। अपने भोजन में अदरक और हल्दी को विशेष रूप से शामिल करने का आग्रह करें। इससे असमय सोने के कारण होने वाली एसिडिटी एवं जलन से राहत मिल सकती है।

गोल्डन मिल्क

रात को सोते समय हल्दी मिला हुआ दूध जरूर पिएं। जो लोग रात को जागते रहकर काम करते हैं उन्हें यह दूध खासतौर पर पीना चाहिए क्योंकि इससे उन्हें जागने के कारण होने वाली समस्याओं से निजात पाने में मदद मिलती है।

मेडिटेशन को करें अपने रूटीन में शामिल और पाएं बेहतरीन फायदे

- मेडिटेशन को ही ध्यान लगाना कहते हैं, इसे दिनचर्या का हिस्सा बनाकर रोजाना करने से कई फायदे होते हैं। अगर अभी तक आपने मेडिटेशन को अपने रूटीन में शामिल नहीं किया है तो, ये 13 फायदे जानने के बाद आप कल से ही इसे अपनी दिनचर्या में शामिल कर लेंगे -
- मेडिटेशन, मन अशांत रहने पर उसके निष्क्रिय पड़े हुए भागों को उपयोग में लाने योग्य बनाता है।
 - अनुभव की क्षमता को सूक्ष्म करने की एक प्रक्रिया है ध्यान।
 - दि आपको भूलने की आदत है तो ध्यान आपके लिए बहुत उपयोगी है।
 - गुस्सेल प्रवृत्ति के लोगों का मन शांत करने में कारगर है भावातीत ध्यान।
 - निर्णय न ले पाने वाले भी इसे अपनी जिंदगी में शामिल कर सकते हैं।
 - हृदयरोग की रोकथाम



- के लिए उत्तम औषधि के समान है।
- मन की चंचलता को नियंत्रित करता है।
- दीर्घायु बनाने में इसकी अहम उपयोगिता है।
- शांति, सामरथ्य, संतोष, शांति, विद्वता और सभी आवश्यकताओं को पूरा करता है भावातीत ध्यान।
- चाहें तो ध्यान के समय कुछ फूल आस-पास रखें, कोई सुगंधित वस्तु का छिड़काव कर दें, अगरबत्ती जला दें।
- रात्रि के भोजन से पहले ही ध्यान के लिए बैठें।
- प्रातःकाल सूर्योदय से पहले ध्यान करें।
- ढीले वस्त्र पहनकर ध्यान करें।
- महिलाएं यदि चाहें तो भावातीत ध्यान किसी शिक्षक के द्वारा भी सीख सकती हैं। चाहें तो मेडिटेशन सेंटर में भी आप इसे सीख सकती हैं।



जब भी हमें छोटी-मोटी सेहत समस्या, हल्का सा दर्द व घाव आदि होता है तो हमारा शरीर उसे अपने आप ठीक करने में भी सक्षम होता है। लेकिन कई लोग जरा सी भी परेशानी होने पर अत्यधिक एंटीबायोटिक का सेवन करते हैं। अगर आप भी उन्हीं में से हैं तो आइए, आपको बताते हैं कि रोग प्रतिरोधक क्षमता को कमजोर होने से बचाने के लिए किन बातों का ध्यान रखना चाहिए

- एंटीबायोटिक - हममें से कई लोगों की आदत होती है, एंटीबायोटिक्स दवाओं का अत्यधिक सेवन करना। लेकिन गैरजरूरी समय पर इनका सेवन करने से आपकी प्रतिरोधक क्षमता कम हो सकती है। अत्यधिक जरूरत के समय ही एंटीबायोटिक दवाओं का सेवन करें।
- औषधियां - जब भी आप वायरल या शारीरिक दर्द महसूस करें, ऐसी आयुर्वेदिक या घरेलू औषधि अपने साथ रखें जो प्रतिरोधकता बनाए रखती हैं।
- नींद - पर्याप्त नींद न होना आपके दिमाग और शरीर को बेवजह थकावट देता है और आपकी प्रतिरोधकता भी कम होती है। हर दिन 8 घंटे की नींद आपको स्वस्थ और खुशगवार रखने में सहायक है।
- शुगर - शर्करा खाने से मनाही नहीं है, लेकिन अतिरिक्त शर्करा से भरे खाद्य पदार्थ जैसे

एंटीबायोटिक ज्यादा लेने से कमजोर हो सकती है रोग प्रतिरोधक क्षमता

- सोडा, एनर्जी ड्रिंक, जूस व अन्य पदार्थों से दूरी बनाएं। यह आपको सेहत का पूरा हिसाब गंड़बड़ कर देंगे, और प्रतिरोधकता में कमी भी।
- धूप है जरूरी - त्वचा को अगर धूप से बचाते हैं, तो विटामिन डी की कमी हो सकती है। बल्कि धूप लेना प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए फायदेमंद साबित होता है। इसलिए पर्याप्त धूप लेने का नियम बनाएं।
- जिक - जिक की पर्याप्त मात्रा का सेवन भी प्रतिरोध क्षमता को बढ़ाने का एक बेहतरीन विकल्प है। इसके लिए अलग से जिक की गोमियां खाने के बजाए ऐसे खाद्य पदार्थों का सेवन करें, जिनसे आपको नैचुरल जिक प्राप्त हो।
- पत्तेदार सब्जियां - पत्तेदार सब्जियां या फिर सलाद जैसे खाद्य पदार्थों का सेवन खूब करें। इनसे प्राप्त होने वाले एंजाइम्स आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता में इजाफा करते हैं और हर तरह का पोषण प्रदान करते हैं, जिसकी आपको जरूरत है।

गर्म पानी के साथ लहसुन के फायदे

खाने के स्वाद को बढ़ाने तथा सब्जी व दाल में तड़का लगाने में लहसुन का प्रयोग आप खूब करते हैं। लहसुन जहां भोजन के स्वाद को बढ़ाता है, वहीं इसमें मौजूद पौष्टिक तत्व हमारे शरीर को बीमारियों से लड़ने की ताकत भी देते हैं। लहसुन हमारे इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाता है, जो हमारे शरीर को अंदर से मजबूत रखता है और बीमारियों से लड़ने की ताकत देता है। वहीं अगर हम लहसुन को गर्म पानी के साथ लें तो यह हमारे शरीर को कई तरह से फायदा पहुंचाता है और कई बीमारियों से निपटने की ताकत देता है।

कब्ज की समस्या से राहत

यदि आप कब्ज की समस्या से परेशान हैं तो इससे राहत पाने के लिए आप गर्म पानी के साथ कच्ची लहसुन का सेवन करें। यह पाचन क्रिया को सही रखने में मदद करता करेगा और कब्ज की समस्या दूर होगी।

एंटी बैक्टीरियल व

एंटीवायरल से भरपूर

बदलते मौसम का असर आपकी सेहत पर पड़ता है, वहीं बारिश के दिनों में यदि आप गर्म पानी के साथ लहसुन का सेवन करते हैं तो इससे आपके शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है और कई बीमारियों का खतरा कम

हो जाता है। इसके साथ-साथ लहसुन में मौजूद बैक्टीरिया में वायरस मारने के गुण हैं। बारिश के दिनों में होने वाले फंगल संक्रमण, पलू और संक्रामक बीमारियों के खतरे से भी ये आपके शरीर को बचाए रखेंगे।

ब्लड सर्कुलेशन

को करें मेंटेन

गर्म पानी के साथ कच्चे लहसुन का सेवन करने से दिल से जुड़ी बीमारियों से बचे रहने में मदद मिलती है। यह ब्लड सर्कुलेशन को मेंटेन करके हृदयरोग के खतरे को भी कई गुना तक कम कर सकता है।

गले की खराश से राहत

लहसुन में एंटीइंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो गले की खराश को दूर करता है।



होर्मुज स्ट्रेट को लेकर अमेरिका और ईरान में तनातनी



दुबई / वाशिंगटन, एंजेंसी। दुनियाभर में कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की आपूर्ति के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग ‘होर्मुज स्ट्रेट’ को लेकर अमेरिका और ईरान के बीच जुबानी जंग और सैन्य टकराव चरम पर पहुंच गया है। ईरान की इस्लामिक रिवालयुशनरी गार्ड कोर्पस की नौसेना ने अमेरिकी नौसैनिक बड़े पर सीधे हमले की चेतावनी दी है, जिसके जवाब में अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कड़ा पलटवार करते हुए ईरान के दावों को खारिज कर दिया है। ‘अमेरिकी बड़े के आने का इंतजार कर रहे हैं’। आईआरजीसी नौसेना के कमांडर ने कड़ा रुख अपनाते हुए बयान जारी किया कि वे ‘होर्मुज स्ट्रेट’ में अमेरिकी नौसैनिक बड़े की मौजूदगी का इंतजार कर रहे हैं ताकि उस पर हमला कर उसे समुद्र में डुबोया जा सके। इसके साथ ही रिवालयुशनरी गार्ड्स ने यह दावा भी दोहराया कि रणनीतिक रूप से संवेदनशील इस समुद्री मार्ग पर पूरी तरह से ईरान का नियंत्रण स्थापित है। ईरान की इस सीधी चेतावनी के फौरन बाद अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ पर पोस्ट साझा कर तीखा जवाब दिया।

मेक्सिको में तूफान साइमन और रेचेल से आई बाढ़ में छह लोगों की मौत

मेक्सिको , एंजेंसी। मेक्सिको के प्रशांत तट पर भारी बारिश के कारण बाढ़ और भूस्खलन से मरने वालों की संख्या बढ़कर छह हो गई है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। तूफान साइमन और रेचेल के कारण ये हालात बने हैं। तूफान साइमन मेक्सिको के प्रशांत तट की तरफ श्रेणी– 1 के तूफान के रूप में धीमी गति से अगर बढ़ रहा है। इसके कारण नायार्ति और सिनालोआ राज्यों में भारी बारिश हो रही है। नदियों का जलस्तर बढ़ने और बाढ़ को देखते हुए अधिकारी सतर्क हैं। सप्ताहत में इस तूफान के कारण दक्षिणी राज्य गुएरेरो में भी भारी बारिश हुई थी, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। हालांकि, सबसे ज्यादा नुकसान उत्तर में बाजा कैलिफोर्निया राज्य के तटीय शहर एनसेनाडा में हुआ, जहां रेचेल तूफान के कारण आई बाढ़ में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई। राज्य के अभियोजन कार्यालय ने बताया कि मुक्तों में 13 वर्षीय एक लड़की शामिल है, जिसका शव रिविवार को मिला था। इसके अलावा, 30 और 35 वर्ष की दो महिलाओं तथा चार साल के एक लड़के के शव सोमवार को बरामद किए गए। मंगलवार को एक जलधारा के पास एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला। बाजा कैलिफोर्निया में पांच अन्य लोग अब भी लापता हैं। इनमें से तीन एनसेनाडा के हैं। इसके अलावा, एक पिता और पुत्र भी लापता हैं, जो शनिवार को कैलिफोर्निया की खाड़ी के तट पर रिथत सैन फेलिप में मछली पकड़ने गए थे, लेकिन वापस नहीं लौटे। राज्य के नागरिक सुरक्षा अधिकारियों के मुताबिक, मंगलवार को करीब 300 सैन्यकर्मियों, पुलिसकर्मियों और बचावकर्मियों ने एनसेनाडा की एल पिपिला जलधारा के आसपास तलाशी अभियान चलाया। इस बीच, मैक्सिकन नौसेना लापता मछुआरों की तलाश में जुटी रही। बाढ़ के पानी में वाहन बह गए, मकानों को नुकसान पहुंचा और कुछ समुदायों का संपर्क कट गया।

ग्रीस में अमेरिकी राजदूत लेती थीं रिश्वत, हटाया

एथेंस, एंजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने विवादों में घिरी ग्रीस में अमेरिकी राजदूत किम्बर्ली गिलफॉयल से इस्तीफा मांग लिया है। उन पर पैसे, उपहार और अन्य फायदों के बदले ट्रंप प्रशासन के शीर्ष अधिकारियों तक पहुंच उपलब्ध कराने और ग्रीस सरकार को धमकाने के गंभीर आरोप लगे हैं। क्लाइंट हाउस की प्रेस सचिव केटी जकारिया ने मंगलवार को उनके इस्तीफा मांगे जाने की पुष्टि की। पत्रकारों से बात करते हुए राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि वह अच्छा काम कर रही थीं, लेकिन जो कुछ मीडिया में सामने आ रहा था, वह हमें पसंद नहीं आया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी कारोबारि एरिक डिटर्स ने दावा किया कि राजदूत ने ट्रंप प्रशासन के अधिकारियों से मिलाने के बदले उनका एक लाख डॉलर का क्रेडिट कार्ड बिल भरने की मांग की थी।

ट्रंप की हूती लड़ाकों को चेतावनी: कहा- याद रखें चुनाव के बाद भी मैं ही सत्ता में रहूंगा; ईरान पर साधा निशाना

वाॉशिंगटन, एंजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हूती विद्रोहियों पर सऊदी अरब को निशाना बनाने और तेल की कीमतें बढ़ाने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। ट्रंप ने कहा कि हूती विद्रोही एक साल पहले अमेरिकी बमबारी के बाद शांत हो गए थे, लेकिन अब फिर सक्रिय हो गए हैं। उन्होंने इसके पीछे ईरान का हाथ होने की आशंका भी जताई। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच ट्वि शोशल पर लिखा कि हूती विद्रोही बहुत खराब व्यवहार कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि अमेरिकी हमलों के बाद हूती विद्रोहियों ने खुद रक्तने का अनुरोध किया था और लंबे समय तक शांत रहे थे। अब

वे संभवतः ईरान के कहने पर फिर सामने आए हैं।

ट्रंप ने ईरान पर लगाया क्या आरोप : डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को कमजोर राष्ट्र बताते हुए उसकी नौसेना, वायुसेना की अयुर्व्यवस्था पर भी टिप्पणी की। उन्होंने आरोप लगाया कि हूती विद्रोही जानबूझकर तेल की कीमतें बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं, संभवतः अमेरिकी चुनावों से पहले। ट्रंप ने कहा कि उन्हें यह चुनाव नहीं लड़ रहे हैं और भारी अंतर से जीत पहले ही हासिल कर चुके हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि चुनाव के बाद वह इस घटना को नहीं भूलेंगे।

सऊदी अरब में तेल ठिकानों

शुक्रवार 16 अक्टूबर 2026

अरामको पर हूतियों का हमला : सना पर सऊदी की एयरस्ट्राइक, रियाद तक मिसाइलों की धमक

काहिरा, एंजेंसी। सऊदी अरब के पूर्वी प्रांत में दुनिया की सबसे बड़ी तेल कंपनियों में शामिल अरामको के परिसर को निशाना बनाया गया। सऊदी ऊर्जा मंत्रालय के मुताबिक, परिसर की एक प्रशासनिक इमारत में सीमित आग लग गई। राहत की बात यह है कि इस घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच सऊदी अरब और यमन के हूती विद्रोहियों के बीच तनाव बढ़ रहा है।

यमन की राजधानी सना में सऊदी गठबंधन ने हमला क्यों किया : सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन ने मंगलवार को यमन की राजधानी सना में हवाई हमले किए। सना पर हूती विद्रोहियों का नियंत्रण है। हूती विद्रोहियों के नियंत्रण वाले प्रसारक अल मसिरा और स्थानीय लोगों ने हमलों की जानकारी दी। हमले से पहले गठबंधन ने लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की चेतावनी दी थी। स्थानीय लोगों के मुताबिक, शहर में कई घंटे बाद भी तेज धमाकों की आवाजें सुनाई दीं। इससे पहले गठबंधन ने सना के पश्चिम में स्थित सुबाहा ईंधन केंद्र को निशाना बनाया था।

सऊदी गठबंधन ने तेल भंडारण केंद्र पर क्या आरोप लगाए : सऊदी गठबंधन के प्रवक्ता मेजर जनरल तुकी अल मलिकी ने आरोप लगाया कि हूती विद्रोही मिसाइलों और ड्रोन के अपने हथियारों के भंडार के लिए यमन ऑयल कंपनी की सुविधा और उसके भूमिगत



ईंधन डिपो का इस्तेमाल कर रहे हैं। यह केंद्र राजधानी सना के ऊपर एक पहाड़ी पर स्थित है। गठबंधन ने नागरिकों से यमन ऑयल कंपनी के परिसर और आसपास के भंडारण क्षेत्रों को खाली करने को कहा था।

क्या पश्चिम एशिया में बिगड़ेंगे हालात : फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि यमन में मंगलवार को किया गया हमला सैन्य कार्रवाई बढ़ाने का संकेत था या रियाद के हवाई अड्डे पर हाल में हुए जानलेवा हमलों के जवाब में सीमित कार्रवाई। हालांकि, अरामको परिसर पर हमले, सना में हवाई हमलों और रियाद की ओर मिसाइलों के खतरे ने क्षेत्र में तनाव बढ़ा दिया है। आने वाले समय में हालात किस दिशा में जाएंगे, यह अभी साफ नहीं है।

हूती मिसाइलों का मलबा रियाद के रिहायशी इलाकों में गिरा : सऊदी अरब के रिबिल डिफेंस ने कहा कि नष्ट किए गए दो हूती मिसाइलों का

मलबा रियाद के रिहायशी इलाकों में गिरा, जिससे चार लोग घायल हो गए और 15 घरों को नुकसान पहुंचा। हूती द्वारा चलाए जा रहे ब्रॉडकास्टर अल मसीरा और निवासियों ने बताया कि सऊदी अरब के नेतृत्व में यमन में सेनाओं के गठबंधन ने मंगलवार को हूती विद्रोहियों के कब्जे वाली यमन की राजधानी पर नए हवाई हमले किए, ये हमले तब हुए जब गठबंधन के प्रवक्ता ने लोगों से अपनी सुरक्षा के लिए इलाका खाली करने की अपील की. ?लोगों ने बताया कि शहर के पश्चिम में हमले के कुछ घंटों बाद सना में जोरदार धमाके सुने गए, इससे पहले एक साक्ष्य बयान में गठबंधन ने हूती-नियंत्रित राजधानी में आम लोगों से कहा था कि वे यमनी ऑयल कंपनी की सलाह पर पास के स्टोरेज एरिया को खाली कर दें. गठबंधन के प्रवक्ता मेजर जनरल तुकी अल-मलिकी ने हूती पर आरोप लगाया

मुस्लिम आबादी 96%, सेकुलर देश... हिजाब बैन के बाद अजरबैजान में सिस्टम वर्सेज स्टूडेंट!

बाकू, एंजेंसी। अजरबैजान की आबादी लगभग 100 फीसदी मुस्लिम है. लेकिन संविधान सेकुलर. सरकार के आदेश में हिजाब पर सीधे प्रतिबंध नहीं है. लेकिन कानून कहता है कि कैसे लिबास न पहने जाए जिससे देश का सेकुलर कैरेक्टर प्रभावित हो. हालांकि नियम लागू होने के बाद हिजाब पहनकर स्कूल आने वाली छात्राओं को टोका जा रहा है.

‘अगर क्लास में आना है तो हिजाब नहीं पहनना पड़ेगा.’ जिस देश की आबादी की 96 फीसद जनता मुस्लिम हो अगर वहां की सरकार ऐसे नियम निकाले तो थोड़ा चौंकावा लासमी हो. लेकिन सेंट्रल एशिया के देश अजरबैजान में ऐसा ही हुआ है. यहां की सरकार ने देश के सेकुलर कैरेक्टर का हवाला देते हुए क्लास रूम में लड़कियों के लिए हिजाब पहनने पर रोक लगा दिया है. अजरबैजान



की लगभग 96 प्रतिशत आबादी खुद को मुस्लिम मानती है. लेकिन वहां का संविधान देश को धर्मनिरपेक्ष बताता है और साथ ही धार्मिक स्वतंत्रता की गारंटी भी देता है. लेकिन यहां की सरकार ने देश के सेकुलर फ्रेमवर्क को आधार मानते हुए सरकारी स्कूलों में ऐसे कपड़ों पर रोक लगाई गई, जो निर्धारित यूनिफॉर्म के अनुरूप नहीं हैं या शिक्षा के धर्मनिरपेक्ष चरित्र के

जर्मनी में यौन उत्पीड़न मामले में रोबोट पर एक्शन, 16 साल की लड़की से छेड़छाड़ का आरोप, जांच में जुटी पुलिस कोलोन , एंजेंसी। क्या कोई रोबोट किसी महिला का यौन उत्पीड़न कर सकता है? जर्मनी के कोलोन शहर से हैरान करने वाला मामला सामने आया है। जहां स्थानीय पुलिस से एक रोबोट को 16 वर्षीय लड़की के साथ कथित छेड़छाड़ के मामले में जप्त किया है। आरोप है कि रोबोट ने रेस्टोरेंट में आई लड़की के निजी अंगों को छुआ और यौन उत्पीड़न जैसी हरकतें कीं। पुलिस मामले की जांच कर रही है। कोलोन पुलिस ने बताया कि, घटना का आरोपी रोबोट एक मानव नियंत्रित रोबोट है। पुलिस ने बताया कि रोबोट को दो युवक नियंत्रित कर रहे थे। पुलिस इस बात की जांच कर रहे हैं कि घटना में दोनों युवक भी शामिल थे या नहीं। दोनों युवकों पर अभी तक कोई आरोप नहीं लगाया गया है, लेकिन उन्हें सदिग्ध माना जा रहा है।

लड़की के साथ गलत हरकत करने का आरोप : पुलिस के मुताबिक, शनिवार और रविवार की दरमियानी रात यह घटना हुई। आरोप है कि दो युवकों द्वारा नियंत्रित रोबोट ने 16 वर्षीय लड़की के निजी अंगों को छुआ और यौन उत्पीड़न जैसी हरकतें कीं। युवकों पर घटना का वीडियो बनाने, उसे लाइव स्ट्रीम करने और ऑनलाइन टिप्पणियां करने का भी आरोप है। पुलिस अब वीडियो और अन्य सबूतों के आधार पर मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने बताया कि वह यह पता

मुस्लिम आबादी 96%, सेकुलर देश... हिजाब बैन के बाद अजरबैजान में सिस्टम वर्सेज स्टूडेंट!



खिलाफ माने जाते हैं. इस आदेश में हिजाब का नाम स्पष्ट रूप से नहीं लिया गया, लेकिन कई स्कूलों में इस नियम को हिजाब पहनने वाली छात्राओं के खिलाफ लागू किया गया. यहां स्पष्ट करना जरूरी है कि अजरबैजान की आम जनता पर हिजाब पहनने की मनाही नहीं है. इसके बाद अजरबैजान में हंगामा शुरू हो गया है. मुस्लिम बहुल इस देश में स्कूलों के नए

ड्रेस कोड को लागू करने के तरीके ने विरोध की लहर पैदा कर दी है. हिजाब पहनीं छात्राएं कह रही हैं कि उन्हें क्लास में नहीं जाने दिया जा रहा है, दूसरी छात्राएं उनके समर्थन में क्लास का बहिष्कार कर रही हैं और पुलिस ने प्रदर्शनों के सिलसिले में 37 लोगों को गिरफ्तार किया है. इस विवाद का सबसे अहम पहलू यह है कि अजरबैजान की सरकार ने अपने आदेश में हिजाब पर सीधे प्रतिबंध लगाने की बात नहीं लिखी है. लेकिन धर्मनिरपेक्ष शिक्षा और एक समान स्कूल यूनिफॉर्म के नाम पर बनाए गए नियमों की वजह से कई स्कूलों में हिजाब पहनने वाली छात्राओं को स्कूलों में रोका जा रहा है. यही वजह है कि विवाद अब सिर्फ कपड़ों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि धार्मिक स्वतंत्रता, शिक्षा के अधिकार और राज्य की सीमाओं पर सवाल उठा रहा है।

पाकिस्तान में रेल हादसा, पटरी से उतरी पूरी ट्रेन, छह यात्रियों की मौत



लाहौर, एंजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में मंगलवार को एक यात्री ट्रेन के पटरी से उतर गई. इस रेल हादसे में छह लोगों की मौत हो गई और 40 अन्य घायल हो गए. पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह ट्रेन हादसा सुबह 5.15 बजे के आसपास हुआ और ट्रेन कराची से पेशावर जा रही थी.अधिकारियों ने बताया कि ‘रहमान बाबा एक्सप्रेस’ के सभी 14 डिब्बे मुल्तान में शेरशाह पुल के पास पटरी से उतर गए. पाकिस्तान रेलवे के प्रवक्ता बाबर अली ने बताया कि ट्रेन में लगभग 500 यात्री सवार थे. उन्होंने लोको पायलट के बयान के हवाले से बताया कि जब ट्रेन मुल्तान के शेरशाह स्टेशन से गुजर रही थी, तो उसे अचानक एक झटका महसूस हुआ जिसके बाद उसने ब्रेक लगाए. उन्होंने कहा, ‘जब ट्रेन रुकी, तो उसके लगभग 14 डिब्बे पटरी से उतर चुके थे. प्रवक्ता ने बताया कि घायलों को इलाज के लिए स्थानीय अस्पतालों में भर्ती कराया गया है. जबकि राहत और बचाव दल ने पटरी से उतरे डिब्बों से यात्रियों को निकालने का अभियान शुरू कर दिया है. उन्होंने कहा, ‘एक यात्री के डिब्बे के भीतर फंसे होने की सूचना है और बचावकर्मी उस तक पहुंचने का प्रयास कर रहे हैं.’ पुलिस ने बताया

कि दुर्घटना में छह लोगों की मौत हो गई है और 40 से अधिक लोग घायल हुए हैं. राहत और बचाव कार्य में सहायता के लिए मुल्तान से एक राहत ट्रेन और मेडिकल वैन दुर्घटनास्थल के लिए रवाना की गईं. वहीं, रेल हादसे के बाद अप और डाउन दोनों लाइन पर रेल यातायात निरविवर कर दिया गया, जिससे इस मार्ग पर रेल सेवाएं बाधित हुईं. मुल्तान के आयुक्त आमीर करीम खान ने दुर्घटनास्थल का दौरा किया. उन्होंने प्रभावित यात्रियों और उनके परिवारों से मुलाकात कर उन्हें हर संभव सहायता का आश्वासन दिया. एक यात्री ने मीडिया को बताया कि दुर्घटना से पहले रोहरी के पास कर्मचारियों ने बोली नंबर-बी के नट-बोट की मरम्मत की थी. ‘जियो न्यूज’ के अनुसार, इस दावे की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है और यह भी अभी स्पष्ट नहीं है कि इस मरम्मत का ट्रेन के पटरी से उतरने से कोई संबंध था या नहीं. पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने रेल हादसे पर दुःख व्यक्त किया. उन्होंने संबंधित अधिकारियों को राहत और बचाव कार्य में तेजी लाने और घायलों को बिना किसी देरी के बेहतर मेडिकल सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

यौन उत्पीड़न मामले में कांग्रेस सांसद अकोइजम को पुलिस का समन

-जेएनयू में 11 छात्राओं की शिकायत पर एकआईआर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) से जुड़े एक यौन उत्पीड़न मामले में कांग्रेस सांसद अंगोमचा बिमोल अकोइजम को पूछताछ के लिए तलब किया है। यह कार्रवाई 11 अक्टूबर को जेएनयू के मुख्य सुरक्षा अधिकारी की शिकायत पर दर्ज एकआईआर के बाद की जा रही है, जिसमें सांसद का नाम शामिल है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मई में 11 छात्राओं ने अकोइजम के खिलाफ शिकायतें दर्ज कराई थीं। इन शिकायतों में आरोप है कि उन्होंने छात्राओं को अपने कैपस स्थित आवास पर बुलाकर यौन उत्पीड़न का प्रयास किया और व्लासरूम में भी आपत्तिजनक टिप्पणियां कीं। विश्वविद्यालय ने इन आरोपों की जांच के बाद उन्हें प्रोफेसर पद से बर्खास्त कर दिया था। इस मामले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर चुपठी साधने और अकोइजम के खिलाफ कोई कार्रवाई न करने का आरोप लगाया है। भाजपा ने राहुल गांधी के पितृसत्ता को खत्म करने वाले बयान पर सवाल उठाते हुए इसे राजनीतिक बयानबाजी करार दिया। भाजपा की महिला सांसदों और अन्य नेताओं ने राष्ट्रपति और राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) की अध्यक्ष से मिलकर सांसद अकोइजम के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और उनके इस्तीफे की मांग की है।

वायु प्रदूषण पर 13 हजार करोड़ खर्च, फिर भी 20 लाख मौतें और बढ़ता संकट

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में वायु प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए 2019 से अब तक 13 हजार करोड़ से अधिक जारी किए हैं, लेकिन इस भारी-भरकम राशि का अधिकांश हिस्सा, करीब 68 प्रतिशत सिर्फ सड़कों की धूल हटाने पर खर्च हुआ है। इस बीच, एक रिपोर्ट इंडिया एयर पॉल्यूशन 2026 के अनुसार, 2023 में प्रदूषित हवा के कारण 20 लाख लोगों की मौत हुई, जो 2000 के मुकाबले 43 प्रतिशत अधिक है। यदि हवा तय मानकों के अनुरूप साफ हो जाए, तब भारतीयों की औसत जीवन प्रत्याशा 3.5 साल बढ़ सकती है। रिपोर्ट बताती है कि 2025 में भारत में पीएम 2.5 का औसत स्तर 48.9 रहा, जो डब्ल्यूएचओ की तय सीमा से दस गुना से भी अधिक है। बीते साल दुनिया के 143 देशों में भारत छठा सबसे प्रदूषित देश रहा। प्रदूषण की निगरानी व्यवस्था में भी गंभीर खामियां उजागर हुई हैं। 2025 में 1,600 वायु गुणवत्ता जांच स्टेशनों के बावजूद, राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) के तहत आने वाले 130 शहरों में से 28 में लगातार प्रदूषण मापने वाला एक भी स्टेशन नहीं था। वहीं, 40 शहरों में प्रदूषण के वास्तविक स्रोतों की पहचान भी पूरी नहीं हुई है। परिणामस्वरूप, 2025 में देश के 229 में से 190 शहरों में पीएम10 का स्तर मानक से अधिक रहा, जिनमें गंगा के मैदानी इलाकों के 61 में से 60 शहर और दिल्ली-एनसीआर के सभी 14 शहर शामिल हैं।

आज मुख्यमंत्री योगी के दौरे से गाजियाबाद में ट्रैफिक बंद, शहर में बदलेगी व्यवस्था

गाजियाबाद (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शुक्रवार को गाजियाबाद दौरे के मद्देनजर शहर की यातायात व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया है। उनके आगमन को देखकर हापुड रोड और पुराने बस अड्डे चौराहे पर वाहनों की आवाजाही पूरी तरह से बंद रखी जाएगी, जिससे शहरवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। इसके अतिरिक्त, मुख्यमंत्री के काफिले के गुजरने के दौरान एनएच-नौ पर भी कुछ समय के लिए यातायात रोक़ा जाएगा। इन प्रमुख मार्गों पर यातायात बंद होने से अन्य वैकल्पिक रास्तों पर दबाव बढ़ने और भारी जाम की स्थिति पैदा होने की आशंका है। पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के साथ-साथ यातायात प्रबंधन को लेकर भी पुख्ता इंतजाम किए हैं। मुख्यमंत्री का यह दौरा कई महत्वपूर्ण उद्देश्यों को लेकर है। वह गाजियाबाद में निर्माणार्थीन पुराने बस अड्डे का निरीक्षण करने, जहां चल रहे विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लिया जाएगा। इसके उपरांत, सीएम डसन स्थित आईएमएस में भाजपा नेताओं के साथ अहम बैठक करने वाले हैं। जिसमें आगामी चुनावों की तैयारियों और पार्टी की रणनीति पर गहन मंथन किया जाएगा। मुख्यमंत्री के कार्यक्रमों के दौरान संबंधित क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रहेगी और यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए पुलिस बल तैनात रहेगा।

फर्जी तांत्रिक बनकर बुजुर्ग के घर से चुराए 15 लाख के गहने, तीन आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में शाहदरा पुलिस ने जमीन में दफन पुरतैनी सोना निकालने के बहाने बुजुर्ग से ठगी करने और उनके घर से करीब 15 लाख रुपए के सोने के गहने चोरी करने के आरोप में फर्जी तांत्रिक और उसके दो सहयोगियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक आरोपियों की पहचान मुजफ्फरनगर निवासी तहसीन उर्फ कुष्णा शर्मा उर्फ कुष्णा पंडित (48), मयूर विहार निवासी शोएब अली (40) और पश्चिम बंगाल के रहने वाले महाकादर खान (48) के रूप में हुई है। डीसीपी ने बताया कि सीमापुरी थाने में यह मामला पीडिता गिरिजेश सिंह (79) की शिकायत पर दर्ज किया गया। शिकायतकर्ता का आरोप है कि उन्हें एक तांत्रिक से मिलवाया गया और आरोपियों ने असली सोने का सिक्का दिखाकर उनका विश्वास जीता और फिर अनुष्ठान के नाम पर उनसे नकद एवं यूपीआई के जरिए करीब 39 हजार रुपए टग लिए। डीसीपी ने बताया कि इसके बाद चार अगस्त की रात आरोपियों ने बुजुर्ग के घर पर मिट्टी के बर्तनों और नकली सोने के बिस्कुटों का इस्तेमाल कर अनुष्ठान करने का नाटक किया।

दिल्ली में सख्त पाबंदियों को लेकर केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से बिना शर्त मांगी माफी

-यह मामला सीजेपी का विरोध प्रदर्शन ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग से जुड़ा है

नई दिल्ली, एजेंसी।

दिल्ली में 9 अक्टूबर को लागू की गई सख्त पाबंदियों के मामले में केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से बिना शर्त माफी मांगी है। केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल करते हुए यह माफीनामा पेश किया और अपने खिलाफ चल रही अवमानना की कार्यवाही को खत्म करने का अनुरोध किया है। यह मामला कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के उस विरोध प्रदर्शन से जुड़ा है, जिसमें पार्टी मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रही थी। सीजेपी का आरोप है कि मतदाता सूची के एसआईआर अभियान में भारी गड़बड़ियां हुई हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन ने यह बिना शर्त माफीनामा दाखिल किया। उन्होंने बताया कि 9 अक्टूबर के आदेश का मकसद दिल्ली में कानून-व्यवस्था बनाए रखना था, क्योंकि 20 जुलाई को सीजेपी के चलो संसद मार्च के दौरान वहां अशांति फैल गई थी। इस आदेश के



तहत केंद्र ने 57 मेट्रो स्टेशनों को बंद करने, ट्रैफिक पर रोक लगाने और प्रभावित इलाकों में इंटरनेट सेवा निलंबित करने का प्रस्ताव दिया था। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को निर्देश दिया कि कुछ सेवाओं पर पूरी तरह से रोक न लगाई जाए और यह तय किया जाए कि दिल्ली के लोगों को कोई परेशानी न हो। सुप्रीम कोर्ट को दिए अपने जवाब में, मोहन ने कहा कि दिल्ली पुलिस ने राजधानी दिल्ली के हालात को देखते हुए एक दिन के लिए

मोबाइल इंटरनेट सेवा बंद करने का अनुरोध किया था। उन्होंने कहा कि यह अनुरोध पूरी तरह से कानून के मुताबिक ही प्रोसेस किया गया था। ये पाबंदियां केवल मोबाइल इंटरनेट सेवाओं पर थीं; ब्रॉडबैंड और वाईफाई कनेक्शन पर कोई रोक नहीं लगाई गई थी। इसके अलावा मोहन ने कोर्ट को बताया कि ये पाबंदियां 9 अक्टूबर की रात 10 बजे से 10 अक्टूबर की रात 10 बजे तक रायसीना हिल के चार किलोमीटर के दायरे में लागू थीं।

यह ‘दमन’ सरकार की ताकत नहीं, बल्कि सवालों से भागने का प्रमाण

-अकिता भंडारी के माता-पिता को हिरासत में लेने पर भड़के खड़गे

नई दिल्ली, एजेंसी।

अकिता भंडारी हत्याकांड में न्याय की गुहार लगा रहे उनके माता-पिता को दिल्ली में हिरासत में लिए जाने के बाद राजनीति गरमा गई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इस घटना को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला और इसे मोदी सरकार की कारयारा और संवेदनहीनता की पराकाष्ठा करार दिया। खड़गे का यह बयान उस समय आया जब अकिता के माता-पिता सिक्किम के नए राज्यपाल के रूप में दृष्टान्त कुमार गौतम की नियुक्ति के विरोध में इंडिया गेट के पास शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक खड़गे ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि न्याय की गुहार लगाने वाले अकिता भंडारी के माता-पिता को हिरासत में लिया गया, जबकि बीजेपी से जुड़े एक ‘वीआईपी’ को राज्यपाल का पद दिया गया। कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया कि यह “दमन” सरकार की ताकत नहीं, बल्कि सवालों से भागने



का प्रमाण है। खड़गे ने कहा कि एक बेटी को खो चुके माता-पिता के साथ ऐसा व्यवहार अत्यंत शर्मनाक और निंदनीय है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अकिता भंडारी को न्याय दिलाने के लिए अपना संघर्ष जारी रखेगी। अकिता के माता-पिता को उस समय हिरासत में लिया गया जब वे सिक्किम के राज्यपाल के तौर पर दृष्टान्त कुमार गौतम की नियुक्ति के विरोध में इंडिया गेट के पास प्रदर्शन कर रहे थे। उनका आरोप है कि अकिता भंडारी हत्याकांड में जिस “वीआईपी” को भूमिका को लेकर सवाल उठते रहे हैं, वह गौतम ही हैं। 18 सितंबर 2022 में हुई इस हत्या के समय गौतम बीजेपी की उत्तराखंड इकाई के प्रभारी थे। इस हत्या मामले को लेकर कांग्रेस सहित विपक्षी दल बीजेपी और उत्तराखंड सरकार पर लगातार निशाना साधते रहे हैं।

राहुल के आमंत्रण पर चाय पार्टी में शामिल नहीं होंगे दीपके

नई दिल्ली, एजेंसी।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के अभिजीत दीपके को चाय पर आमंत्रित करने का प्रयास किया, जिससे सीजेपी के प्रति कांग्रेस के रुख में बदलाव का संकेत मिला। यह निमंत्रण सीजेपी के नेता आशुतोष रांका और सौरव दास को न्यायिक हिरासत में भेजे जाने के ठीक बाद दिया गया था। हालांकि, दीपके इस कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए।

सीजेपी ने मई में सोशल मीडिया पर एक ट्वेंड के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और फिर जून-जुलाई में जंतर-मंतर पर परीक्षा था। दीपके से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन उस समय वे महाराष्ट्र में थे। वहीं, सौरव दास और आशुतोष रांका पहले से ही पुलिस हिरासत में थे। कांग्रेस के सूत्रों ने बताया कि दीपके को निमंत्रण दिया गया था, लेकिन वे इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए विशेष रूप से उत्साहित नहीं थे। कॉकरोच जनता पार्टी ने 10 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर एक बड़े प्रदर्शन की घोषणा की थी। इस प्रदर्शन से पहले ही दिल्ली पुलिस ने सीजेपी के नेताओं अभिजीत दीपके, आशुतोष रांका और सौरव दास को हिरासत



प्रशांत भूषण ने मध्यस्थ की भूमिका निभाने और दीपके तक पहुंचने का आग्रह किया था। दीपके से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन उस समय वे महाराष्ट्र में थे। वहीं, सौरव दास और आशुतोष रांका पहले से ही पुलिस हिरासत में थे। कांग्रेस के सूत्रों ने बताया कि दीपके को निमंत्रण दिया गया था, लेकिन वे इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए विशेष रूप से उत्साहित नहीं थे। कॉकरोच जनता पार्टी ने 10 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर एक बड़े प्रदर्शन की घोषणा की थी। इस प्रदर्शन से पहले ही दिल्ली पुलिस ने सीजेपी के नेताओं अभिजीत दीपके, आशुतोष रांका और सौरव दास को हिरासत

में ले लिया। पूरे शहर में भारी सुरक्षा घेराबंदी और पुलिस की सख्ती के चलते लगभग 7000 लोगों को हिरासत में लिया गया, जिसकी वजह से नियोजित विरोध प्रदर्शन उस तरह से सफल नहीं हो पाया, जैसा था। यह योजना बनाई गई थी। कांग्रेस का आकलन था कि इस बार सीजेपी बड़ी संख्या में लोगों को इकट्ठा करने में विफल रहा, जबकि जून-जुलाई में जंतर-मंतर पर हुए पिछले विरोध प्रदर्शनों में यह स्थिति नहीं थी। यह घटनाक्रम कांग्रेस के भीतर सीजेपी को लेकर बदलते दृष्टिकोण और उसके संभावित राजनीतिक भविष्य पर विचार-विमर्श को दर्शाता है।

ठंड से पहले मौसम करेगा टॉर्चर, दिल्ली समेत 20 से ज्यादा राज्यों में चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी।

नई दिल्ली (ईएमएस)। गुलाबी ठंड की दस्तक से पहले ही देश के कई हिस्सों में मौसम ने करवट बदली है। मौसम विभाग के अनुसार, देश के करीब 20 से ज्यादा राज्यों में बारिश की संभावना बनी हुई है। विशेष रूप से पहाड़ी राज्यों में भूस्खलन का अलर्ट जारी किया गया है, जबकि दक्षिणी हिस्सों में मूसलाधार बारिश की आशंका जताई गई है। यह मौसमी बदलाव उत्तर-पश्चिम भारत में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ और साइक्लोनिक सर्कुलेशन के कारण हो रहा है, जिसके चलते तापमान में गिरावट से पहले अचानक मौसम में उथल-पुथल देखने को मिल सकती है।

इन मौसमी प्रणालियों के चलते जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली के ज्यादातर हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश के आसार हैं। इसके अतिरिक्त, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी राजस्थान, हरियाणा, उत्तराखंड, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब में कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि की भी चेतावनी जारी की गई है, जिससे फसलों और सामान्य जनजीवन पर असर पड़ने का संभावना है। लोगों को सलाह दी गई है कि वे मौसम में अचानक होने वाले इन बदलावों के प्रति सतर्क रहें। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आज दिनभर उथल-पुथल देखने को मिल सकती है।

रहेंगे। शाम तक कई जगहों पर हल्की बारिश और कुछ स्थानों पर मध्यम बारिश की संभावना है। इस दौरान 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने के भी आसार हैं, जिससे मौसम ठंडा हो सकता है। मौसम विभाग ने यह भी बताया है कि रात में भी दिल्ली के कई इलाकों में हल्की बारिश हो सकती है। राजधानी में अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 19 डिग्री सेल्सियस से 21 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। मध्य और पूर्वी भारत की बात करें तो, बिहार में फिलहाल मौसम शुष्क रहेगा, लेकिन पूर्वी उत्तर प्रदेश और उससे सटे

बिहार के कुछ इलाकों में सक्रिय साइक्लोनिक सर्कुलेशन के चलते 16 से 18 अक्टूबर के बीच राज्य के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश की संभावना है। झारखंड में भी कई जगहों पर हल्की या छुटपुट बारिश दर्ज की जा सकती है, जिससे इन क्षेत्रों में भी मौसम का मिजाज बदला हुआ रहेगा। दक्षिण भारत में, कोकण, गोवा और तटीय कर्नाटक में गर्म और उमस भरा मौसम बरहा रहेगा। हालांकि, दक्षिण-पश्चिम मॉनसून की वापसी के लिए परिस्थितियां पूरी तरह अनुकूल हो चुकी हैं, और 15 से 19 अक्टूबर के दौरान दक्षिण भारत के बड़े हिस्से में बारिश का एक नया दौर देखने को मिल सकता है,



जिससे इन क्षेत्रों में भी मौसम में बड़ा बदलाव महसूस होगा और किसानों व

आम जनता को सतर्क रहने की आवश्यकता होगी।

रूसी सेना में फिर शामिल हो रहे भारतीय : सुप्रीम कोर्ट में सरकार की चिंता

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट को सूचित किया है कि कुछ भारतीय, जिन्हें पहले रूसी सेना से मुश्किल से निकाला गया था, वे अब अपनी मर्जी से फिर से उसी सेना में शामिल हुए हैं और उनका कोई अता-पता नहीं है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की पीठ के समक्ष विदेश मंत्रालय द्वारा प्रस्तुत एक स्थिति रिपोर्ट में गंभीर जानकारी सामने आई है।

एंड्रेशनल सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने बताया कि इसतरह के कई मामले सामने आए हैं जहां भारतीय व्यक्ति आर्थिक लाभ के प्रलोभन में रूसी सेना में शामिल होने के प्रस्ताव स्वीकार करते हैं। उनका मकसद अस्थायी वित्तीय लाभ प्राप्त करना और बाद में भारत सरकार से संपर्क कर सुरक्षित वापसी की उम्मीद करना होता है।

विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि रूस में टूरिस्ट, स्टूडेंट या वर्क वीजा पर गए कुछ भारतीय, कम समय के लिए मिलने वाले आर्थिक लाभों के लालच में रूसी सेना में शामिल होने में गहरी दिलचस्पी दिखा रहे हैं। मंत्रालय ने यह भी बताया कि कई भारतीयों ने दूतावास से संपर्क कर अपनी भारतीय नागरिकता स्वेच्छा से छोड़ी, रूसी पासपोर्ट लेने और फिर रूसी सेना में भर्ती होने की बात कही है, जो इस प्रलोभन की गंभीरता को दर्शाता है। सरकार लगातार अपने नागरिकों को संकटग्रस्त क्षेत्रों से निकालने और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रयास कर रही है, लेकिन कुछ व्यक्तियों का स्वेच्छा से इस खतरे को दोबारा मोल लेना एक चिंताजनक स्थिति पैदा करता है।

इकलौते विधायक के बाद भी चुनौती बन गए प्रशांत किशोर

-सम्राट चौधरी को मुख्यमंत्री पद से हटाने की मांग

पटना, एजेंसी।

बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के लिए पद संभालने के छह महीने के भीतर ही नई राजनीतिक चुनौती सामने आ गई है। यह चुनौती न तो प्रमुख विपक्षी दल राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) से है और न ही नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव से। बल्कि, जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर (पीके) अपने एक विधायक के दम पर मुख्यमंत्री और सत्तारूढ़ एनडीए गठबंधन की मुश्किलें बढ़ा रहे हैं। बीजेपी के गढ़ बांकीपुर में मिली जीत ने प्रशांत किशोर को सम्राट चौधरी के नेतृत्व पर सवाल उठाने का एक नया मंच दे दिया है। उन्हें पद से हटाने की मांग भी कर दी। बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में मिली जीत ने प्रशांत किशोर की चुनौती को और गंभीर बना दिया। यह सीट लगभग तीन दशकों से बीजेपी का गढ़ मानी जाती थी। उपचुनाव में जन सुराज पार्टी के प्रमुख प्रशांत किशोर ने बीजेपी उम्मीदवार नीरज कुमार सिन्हा को 19,324 वोटों के अंतर से हराया। यह सीट बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के राज्यसभा जाने के बाद खाली हुई थी। मुख्यमंत्री बनने के बाद सम्राट चौधरी के लिए यह पहला बड़ा चुनावी



परीक्षण था, और हार ने विपक्ष को उनके जमीनी राजनीतिक प्रभाव पर सवाल उठाने का मौका दिया। जीत के बाद प्रशांत किशोर ने प्रधानमंत्री से बिहार के लिए एक काबिल और चरित्रवान मुख्यमंत्री चुनने की अपील की। प्रशांत किशोर की चुनौती अब केवल व्यक्तिगत हमलों तक सीमित नहीं है, बल्कि वह बिहार में बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए के भीतर मतभेदों का भी फायदा उठा रहे हैं। गठबंधन में बीजेपी, जेडीयू, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास), केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी की हिंदुस्तानी आवाज मोर्चा (सेक्युलर) और राज्यसभा

सांसद उषेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा शामिल हैं। गठबंधन के भीतर असहमति का ताजा उदाहरण बिहार विधान परिषद चुनावों में देखने को मिला है। आगामी 23 अक्टूबर को होने वाले इन चुनावों में जन सुराज पार्टी के लिए समर्थन जुटाने की कोशिशों ने एनडीए के सहयोगी दलों के बीच तालमेल पर सवाल खड़े कर दिए हैं। मोकामा से जेडीयू विधायक अनंत सिंह ने पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में अपनी ही पार्टी के उम्मीदवार नीरज कुमार के खिलाफ जन सुराज के समर्थन को अनुज कुमार सिंह का खुलकर समर्थन किया है। अनंत सिंह ने इसे नीरज कुमार

के साथ अपनी पुरानी प्रतिद्वंद्विता का परिणाम बताया है, हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका विरोध नीरज कुमार से है, न कि नीतीश कुमार या जेडीयू से। विवाद सुलझाने के लिए एनडीए विधायकों की बैठक मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने विवाद सुलझाने के लिए एनडीए विधायकों की बैठक बुलाई और आधिकारिक उम्मीदवारों के खिलाफ प्रचार न करने की चेतावनी दी, लेकिन मतभेद दूर नहीं हो सके। प्रशांत किशोर ने इस विवाद को और हवा देते हुए नीतीश कुमार को सार्वजनिक रूप से मतदाताओं से नीरज कुमार के समर्थन की अपील करने की चुनौती दी। उन्होंने कहा कि अगर नीतीश कुमार ऐसा करते हैं, तो जन सुराज अपने उम्मीदवार को वापस ले लेगी। एनडीए की मुश्किलें यहीं खत्म नहीं होतीं; उषेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा ने भी नेतृत्व को लेकर बगावत सामने आई है, जहां पार्टी के चार में से तीन विधायक खुले तौर पर नेतृत्व को चुनौती दे रहे हैं। इस पूरे घटनाक्रम ने सम्राट चौधरी के सामने गठबंधन को एकजुट रखने की चुनौती बढ़ा दी है।

राहुल गांधी का मकसद भारत के संविधान और लोकतंत्र को तबाह करना है : भंडारी

नई दिल्ली, एजेंसी।

बीजेपी के राष्ट्रीय मीडिया सह-प्रभारी और राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने एक्स पर खुद की एक रिकॉर्डिंग वीडियो पोस्ट कर कहा कि राहुल गांधी की पोस्टर गर्ल नेहा बोरा साबित करती हैं कि राहुल का विरोध राजनीतिक नहीं है और उनका मकसद सत्ता परिवर्तन है। नेहा बोरा ने कहा है कि वह गांधी का इकोसिस्टम का विरोध करने चाहती हैं।

बांग्लादेश के जेनजी मूवमेंट से प्रेरित हैं। जैसा बांग्लादेश में हुआ, वे वैसा ही भारत के अंदर करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि इससे ये साबित होता है कि राहुल गांधी का मकसद भारत के संविधान और लोकतंत्र को तबाह करना है। पूरा कांग्रेस इकोसिस्टम भारत के लोकतंत्र को बर्बाद करना चाहता है। बांग्लादेश की तरह सत्ता परिवर्तन करना चाहता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि जो लोग भारत के संविधान में विश्वास करते हैं, उन्हें राहुल गांधी के इकोसिस्टम का विरोध करना चाहिए।

बता दें राहुल गांधी ने बुधवार को कहा था कि जंतर-मंतर पर तिरंगा लहराने के लिए सीजेपी के नेताओं को जेल भेजना कारयारा का काम है। यह बयान तब आया था जब सीजेपी नेता सौरव दास और आशुतोष रांका को बुधवार को पांच दिन की न्यायिक हिरासत में तिहाड़



जेल भेज दिया गया था जबकि अजिंक्य शिंदे को निजी मुचलके पर रिहा कर दिया था। राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट में लिखा था- शांतिपूर्ण विरोध में जंतर-मंतर पर तिरंगा लहराना अपराध नहीं है। इसके लिए युवाओं को जेल भेजना कारयारा का काम है। छात्र, युवा, पत्रकार, इंडिया ब्लॉक, अलग-अलग बैनर के एक ही कारण हैं कि नागरिक अपने संवैधानिक अधिकारों की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा था कि जंतर-मंतर भारत के लोगों का

है। हम इसे वापस लेंगे।